सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 137 | इंदौर, शनिवार 25 नवंबर, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

राजस्थान की 199 विधानसभा सीटों पर वोटिंग

वसुंधरा-पायलट ने वोट डाला, गहलोत बोले- जीत हमारी होगी

जयपुर। राजस्थान की 199 विधानसभा सीटों पर वोटिंग जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार सुबह 9 बजे तक प्रदेश में 9.77 फीसदी मतदान हुआ है। जयपुर, जोधपुर समेत कई शहरों में सुबह से ही लंबी कतारें दिख रही हैं। सीएम अशोक गहलोत ने कहा- कांग्रेस की जीत के बाद अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह आलाकमान मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी तय करेंगे। पार्टी जो भूमिका तय करेगी, वह मंजूर होगी। वहीं, वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में वोट डालने के बाद कहा कि सभी मतदान जरूर करें। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी जयपुर के सी स्कीम में वोट डाला।

अशोक गहलोत ने जीत के सवाल पर कहा कि हमारी सरकार ने जनता को जो गारंटियां दी हैं, और जो विकास किया है, उसे देखते हुए जनता हमारी सरकार को दोबारा चुनेगी। इस चुनाव में कुल 1863 प्रत्याशी मैदान में हैं। उनकी किस्मत का फैसला प्रदेश के 5 करोड़ 26 लाख 90 हजार 146 मतदाता करेंगे। वोटिंग शाम छह बजे तक होगी। नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। पांच साल पहले 2018 में 74.06 प्रतिशत मतदान हुआ था।

मुख्य मुकाबला हमेशा की तरह भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है। इस चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि राजस्थान में हर बार सरकार बदलने का ट्रेंड जारी रहेगा या यह रिवाज इस बार बदल जाएगा।

सीएम अशोक गहलोत अपनी परंपरागत सीट जोधपुर की सरदारपुरा से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे झालावाड़ जिले की झालरापाटन और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ तारानगर से चुनाव मैदान में हैं। वहीं, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट टोंक सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हैं।

इस चुनाव में कई भाजपा सांसदों की भी प्रतिष्ठा दांव पर है। सांसद (राजसमंद) दीया कुमारी जयपुर की विद्याधर नगर, बाबा बालकनाथ (अलवर) अलवर की तिजारा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद (जयपुर ग्रामीण) राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जयपुर की झोटवाड़ा, सांसद (अजमेर) भागीरथ चौधरी अजमेर की किशनगढ़, सांसद (जालोर) देवजी पटेल सांचौर, नरेंद्र खींचड़ (झुंझुनूं) झुंझुनूं की मंडावा और डॉ. किरोड़ीलाल मीणा (राज्यसभा सदस्य) सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में हैं।

सतना कलेक्टर का आदेश

बिना हेलमेट टू व्हीलर से आए तो स्कूल, कॉलेज में नहीं मिलेगी स्टूडेंट्स और स्टाफ को एंट्री

सतना। जिले के सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और सेवारत स्टाफ को भी अब अगर दो पहिया वाहनों की सवारी कर स्कूल, कॉलेज आना है तो उन्हें हेलमेट पहनना ही होगा। इतना ही नहीं अगर उन्हें छोड़ने अथवा लेने कोई परिजन या परिचित भी टू व्हीलर से आता है तो उसे भी हेलमेट का इस्तेमाल करना होगा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य किए जाने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने ये आदेश पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निदेर्शों का पालन सुनिश्चित कराने के लिहाज से दिया है। जिसके तहत जिले के सभी विद्यालय व महाविद्यालयों के कर्मचारियों और विद्यार्थियों को स्कूल व कॉलेज छोड़ने आने वाले अभिभावकों को भी दो पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट धारण करना होगा। बिना हेलमेट शैक्षणिक संस्थान के कर्मचारियों, अभिभावकों व छात्र-छात्राओं को संस्थान में प्रवेश नही दिया जाएगा। बता दें कि पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश ने दो पहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने के संबंध में प्रदेश के कलेक्टर्स को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कटाक्ष

अब ई-व्हीकल से होगा घर-घर कचरा संग्रहण

पायलेट प्रोजेक्ट के तहत प्रथम चरण में खरीदे जाएंगे 250 वाहन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मध्य प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में अभी डीजल और सीएनजी से चलने वाले वाहनों से घर घर से कचरा एकत्रित किया जा रहा है। अब इन वाहनों को में ई-व्हीकल बदला जाएगा। इसको लेकर नगरीय संचालनालय ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसे अब विभाग को भेजा जा रहा है। इसके तहत अब नगरीय निकायों में कचरा एकत्रित करने के लिए ई-व्हीकल ही खरीदे जाएंगे। ये ना सिर्फ वायु प्रदूषण को कम करेंगे, बल्कि ईंधन के ऊपर होने वाले अत्यधिक खर्च को भी कम करेंगे। इस पहल से पर्यावरणीय लाभ यह होगा कि ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले वर्षों में सभी वाहनों को ई-व्हीकल में बदलने का काम किया जाएगा।

पायलट प्रोजेक्ट के लिए 250 वाहन

नगरीय निकाय विभाग केंद्र सरकार की मदद से ई-व्हीकल को लेकर पायलट प्रोजेक्ट चलाएगा। इसके लिए शुरूआत में 250 ई-व्हीकल खरीदे जाएंगे। इन वाहनों को किसी शहर को चिन्हित कर पायलट प्रोजेक्ट के तहत वहां संचालित किया जाएगा। इसके लिए उन शहरों में चार्जिंग स्टेशन समेत अन्य सुविधाएं भी स्थापित की जाएंगी।

एक माह में नौ करोड़ रुपए की बचत

प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में कचरा एकत्रित करने के लिए 6 हजार से ज्यादा वाहनों का उपयोग किया जाता है। प्रत्येक वाहन के ईंधन पर अभी पूरे प्रदेश में 30 लाख रुपये का खर्च आता है। यह राशि एक माह में करीब 9 करोड़ रुपये होती है। ई-व्हीकल के उपयोग से ईंधन पर खर्च होने वाली बड़ी राशि की बचत होगी।

कश्मीर में डॉ. अर्पण जैन को मिला अक्षर सम्मान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इन्दौर। देशभर में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार व घाटी में सक्रिय हिन्दी आन्दोलन के लिए शहर के युवा साहित्यकार डॉ. अर्पण जैन ह्यअविचल को संस्कृति विभाग जम्मू कश्मीर, जम्मू कश्मीर कला साहित्य और भाषा अकादमी व वादीज हिन्दी शिक्षा समिति श्रीनगर के संयुक्त तत्वावधान में टैगोर हॉल, श्रीनगर में आयोजित हिन्दी महोत्सव में ह्याअक्षर सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी (आईएएस) के साथविशिष्ट अतिथि जीवन बीमा निगम के प्रादेशिक प्रबंधक जयंत अरोड़ा सहित वादीज हिन्दी शिक्षा समिति की अध्यक्ष नसरीन अली निधि मौजूद रहीं। डॉ. जैन वर्तमान में मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ-साथ भारतभर में हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए कार्यरत हैं। हाल ही में डॉ. अर्पण जैन को मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2020 के लिए अखिल भारतीय नारद मुनि पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। डॉ. जैन को संस्कृति विभाग, जम्मू और कश्मीर के सचिव डॉ. सईद आबिद रशीद शाह, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर के निदेशक प्रो. सुधाकर येडला, जम्मू कश्मीर कला, साहित्य और भाषा अकादमी के सचिव डॉ. भारत मनहास, कश्मीर विश्वविद्यालय में हिन्दी की विभागाध्यक्ष प्रो. जाहिद जबीन ने बधाई देते हुए घाटी में हिन्दी आन्दोलन के विस्तार हेतु आश्वस्त किया।

उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ की कार्यकारिणी ने चार्ज लिया

इंदौर। अधिवक्ता तनुज दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पुरानी कार्यकारिणी के द्वारा शुक्रवार को नव निर्वाचित कार्यकारिणी को अपना प्रभार सौंपा गया, पदाधिकारियों में अध्यक्ष रितेश इनानी, उपाध्यक्ष यशपाल राठौर, सचिव भुवन गौतम व सहसचिव शशांक शर्मा ने पदभार ग्रहण किया तो वही कार्यकारिणी में तेजस व्यास, अरुण सिंह चौहान, धर्मेन्द्र साहू, विशाल सोनी एवं प्रभात पांडे ने भी अपना कार्यभार सम्भाला. इस अवसर पर अतिथि मनोज द्विवेदी थे, वही अभिभाषक संघ के सूरज शर्मा, जी पी सिंह, राकेश भदौरिया सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

शासकीय सेवकों का वेतन प्रत्येक माह की एक तारीख को देना किया जाए सुनिश्चित

कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी द्वारा सभी कार्यालयों के लिये दिशा निर्देश जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिले में सभी शासकीय कार्यालयों के प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने शासकीय सेवकों का वेतन हर माह की एक तारीख को दिया जाना सुनिश्चित करें। इस संबंध में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी द्वारा सभी शासकीय कार्यालयों के लिये दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी जिला कोषालय श्रीमती मोनिका कटारे ने बताया कि इस संबंध में कलेक्टर द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि म.प्र. कोषालय संहिता 2020 के सहायक नियम 109(1) के अनुसार प्रत्येक शासकीय सेवक को उसके प्रत्येक माह के वेतन का भुगतान आगामी माह की प्रथम तारीख को करने के निर्देश हैं। यदि माह की प्रथम तारीख को शासकीय अवकाश हो तो उसके पूर्व के कार्य दिवस को भुगतान किया जाये। समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों को अवगत कराया गया है कि अपने कार्यालय से संबंधित समस्त शासकीय सेवकों को प्रत्येक माह की प्रथम तारीख को वेतन आहरण हो सके, यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था करें। यदि इसमें किसी प्रकार का विलंब होता है तो उसके लिए आहरण संवितरण अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगें। साथ ही कहा गया है कि मध्यप्रदेश कोषालय संहिता 2020 के सहायक नियम 109(3) के अनुसार प्रत्येक कार्यालय के समस्त शासकीय सेवको का वेतन प्रत्येक माह की पांच तारीख के पूर्व किया जाये। विलंब या स्टॉप पेमेंट के संबंध में आहरण संवितरण अधिकारी को पूर्ण औचित्य सहित देयक प्रस्तुत करना होगें।

बागियों ने बिगाड़े समीकरण

भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशी कर रहे जोड़-घटाव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मालवा-निमाड़ की 66 में से 10 सीटों पर भाजपा-कांग्रेस को अपने ही बागियों से संघर्ष करना पड़ा। आठ जगह त्रिकोणीय तो दो जगह चतुष्कोणीय मुकाबला रहा। मान-मनौव्वल के बावजूद भी कोई मानने को तैयार नहीं हुआ। मतगणना से पहले दोनों पार्टियों के साथ प्रत्याशी जोड़-घटाव कर रहे हैं। दोनों दलों के गणित बागियों वाली सीटों पर गड़बड़ा रहे हैं। भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों के साथ बागी भी जीत का दावा कर रहे हैं। कुछ जगह बागियों की स्थिति काफी अच्छी है।

एक नजर बगावत वाली सीटों पर

1. महू-यहां भाजपा से उषा ठाकुर और कांग्रेस से रामकिशोर शुक्ला हैं, लेकिन कांग्रेस के पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार बागी होकर चुनाव लड़े। जिला और जनपद पंचायत के कई सदस्य उनके मददगार रहे।
2. देपालपुर-भाजपा के मनोज पटेल और कांग्रेस के विशाल पटेल के अलावा भाजपा के बागी राजेंद्र पटेल भी मैदान में हैं। हिंदूवादी नेता होने के साथ उन्हें नाराज भाजपाइयों का भी समर्थन था।
3. धार-यहां चतुष्कोणीय मुकाबला हुआ। भाजपा से नीना वर्मा तो कांग्रेस से प्रभा गौतम के साथ भाजपा के बागी राजू यादव व कांग्रेस के बागी कुलदीप बुंदेला भी मैदान में थे। भाजपा और कांग्रेस के नाराज नेता उनके साथ थे।
4. बुरहानपुर-भाजपा से अर्चना चिटनीस तो कांग्रेस से सुरेंद्र सिंह शेरा के अलावा भाजपा के बागी हर्षवर्धन चौहान मैदान में थे। उनके पिता खंडवा के सांसद रहे तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी रहे।
5. जोबट-भाजपा के विशाल रावत व कांग्रेस से सेना पटेल के अलावा भाजपा के बागी व पूर्व विधायक माधौ सिंह डावर निर्दलीय चुनाव लड़े। उपचुनाव में सुलोचना रावत विधायक बनी थीं। राजनीतिक हलकों में बगावत वाली सीटों पर अनुमान लगाया जा रहा है कि कौन-कितना नुकसान पहुंचाएगा।
6. स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़े सुसनेर से विक्रमसिंह राणा, बुरहानपुर से सुरेंद्र सिंह शेरा तो भगवानपुरा से केदार डाबर ने चुनाव में जीत दर्ज कराई थी।
7. बदनावर से भाजपा के बागी राजेश अग्रवाल की वजह से पार्टी प्रत्याशी भंवर सिंह शेखावत तीसरे नंबर पर रहे।
8. नेपानगर में धन सिंह भी भाजपा से बागी हुए, जिससे प्रत्याशी मंजू दादू हार गए।
9. बडनगर-भाजपा से जितेंद्र पंड्या और कांग्रेस से मुरली मोरवाल के अलावा कांग्रेस के बागी राजेंद्र सोलंकी भी मैदान में हैं। कांग्रेस ने पहले सोलंकी के टिकट की घोषणा की, लेकिन संशोधित सूची में मोरवाल को टिकट दिया। सोलंकी ने प्रतिष्ठा का सवाल मानकर चुनाव लड़ा।
10. सुसनेर-भाजपा से विक्रम सिंह राणा व कांग्रेस से भैरू सिंह बापू मैदान में हैं। भाजपा से पूर्व विधायक रहे संतोष जोशी और कांग्रेस के जितेंद्र पाटीदार बागी होकर चुनाव लड़े।

इंदौर की स्मार्ट मीटरिंग लर्निंग का जबलपुर, भोपाल में होगा अनुसरण

◆ शासकीय कार्यालयों में प्रीपेड व्यवस्था की तैयारी के दिए निर्देश

इंदौर। स्मार्ट मीटर योजना के तहत अगले दो वर्षों में सभी शहर स्मार्ट मीटरीकृत करने के लक्ष्य पर समयबद्ध कार्य किया जा रहा है। इंदौर की स्मार्ट मीटर योजना की लर्निंग जबलपुर, भोपाल में भी लागू होगी, ताकि वहां भी इंदौर की तरह योजना के शासन और उपभोक्ताओं को लाभ मिले, शिकायतों की संख्या घटे और संतुष्टि का प्रतिशत बढ़े।

मध्यप्रदेश ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने यह बात की। वे इंदौर के पोलोग्राउंड स्थित पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सभागार में स्मार्ट मीटर योजना की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। श्री दुबे ने कहा कि इंदौर में सबसे पहले स्मार्ट मीटर योजना लागू हुई, यहां शासकीय कार्यालयों में प्रीपेड बिल व्यवस्था आगामी तीन माह में लागू करने की तैयारी की जाए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग (अकटछ) की रिपोर्ट से स्मार्ट मीटर योजना के उद्देशों के कंपनी और उपभोक्ता हित में लाभ मिलना चाहिए। इस अवसर पर प्रस्तुत रिपोर्ट में उपभोक्ताओं का लोड, पावर फैक्टर छूट, बिजली आपूर्ति के समय के डाटा, ट्रांसफार्मर से संबंध उपभोक्ताओं के सही लोड की गणना, गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति, उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी और शिकायतों में कमी, वर्तमान खपत के आधार पर बिल का पूर्वानुमान आदि की जानकारी प्रस्तुत की। प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने स्मार्ट मीटर योजना के मास्टर कंट्रोल सेंटर पहुंचकर कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया। मोबाइल एवं वीडियोवाल पर अपडेट जानकारी भी देखी। इस अवसर पर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि स्मार्ट मीटर की टीम प्रतिदिन डाटा की समीक्षा करती है, कंपनी एवं उपभोक्ता हित के प्रत्येक कार्य पर ध्यान दिया जा रहा हैं। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिलिंग संबंधी शिकायतों में काफी कमी आई है। श्री तोमर ने वर्तमान में इंदौर शहर, उज्जैन, रतलाम, सेंधवा, झाबुआ में स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य तेज होने संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर निदेशक श्री सचिन तालेवार, श्री पुनीत दुबे, कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, मुख्य अभियंता श्री एसएल करवाडिया आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

श्री 56 भोग महोत्सव में 200 से अधिक संत महंतों का सम्मान किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में महंत मंगल दास महाराज खाकी के सानिध्य में श्री 56 भोग महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि शुरूआत सुंदर कांड हवन से हुई। महाआरती के बाद 200 से अधिक संत महंतों का शाल श्रीफल से सम्मान हुआ और सबको भेंट प्रदान की। इस मौके पर विशेष रूप से राधे राधे बाबा, महंत रामगोपालदास, हरिओमानंद, महंत गोपालदास गोपाल मन्दिर बड़वाह,महंत विजयरामदास, महंत हनुमानदास उदयवीर , विजयराम दास छोटा बेटमा, लालदास महाराज खाकी, अर्जुनदास महाराज, उपस्थित थे। मीना राणा शाह ने बताया कि 56 भोग में पुड़ी, सब्जी, भजिये और बूंदी का प्रसाद हजारों भक्तों ने ग्रहण किया। मुख्य यजमान धर्मेन्द्र पुरोहित नागपुर वाले, पवन यादव,हाट पिपलिया थे। राम दरबार, राधा कृष्ण, वैष्णव देवी दरबार, हनुमानजी और दुर्गा माता को 56 भोग धराये गए। आयोजन में गोकुल सेठ, सुशील उप्पाध्याय, विजयसिंह बिसेन , ललित परदेशी ने सेवाएं दी। संपूर्ण मन्दिर परिसर को केसरिया ध्वज् से सजाया गया और सभी देवी देवताओ को नये वस्त्र पहनाए गए।

परिवहन विभाग ने की कार्रवाई ...

56 ई-रिक्शा बगैर रजिस्ट्रेशन के चलते पकड़ाए

50 हजार रुपए जुर्माना लगाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इन्दौर। परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा के खिलाफ जांच अभियान चला 56 ई-रिक्शा ऐसे पकड़े जिनका रजिस्ट्रेशन तक नहीं था। विभाग ने इन पर 50 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है।

आरटीओ प्रदीप शर्मा के अनुसार शहर में ई-रिक्शा की मनमानी को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसे देखते हुए कल चार टीमें बनाकर शहर के प्रमुख स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 56 ई-रिक्शा ऐसे मिले, जिन पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि गाडि ़ों का रजिस्ट्रेशन ही नहीं हुआ है। इसके बाद भी इन गाडियों में सवारियों को ढोया जा रहा था, वहीं कुछ ई-रिक्शा में ओवरलोडिंग भी पाई गई। इस पर ऐसे सभी ई-रिक्शा पर 50 हजार रुपए से ज्यादा के जुमार्ने की कार्रवाई की गई। जुमार्ना जमा होने के बाद ही वाहनों को छोड़ा गया और स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना रजिस्ट्रेशन के वाहनों का संचालन न करें। आरटीओ के अनुसार इन मामलों में वाहन डीलर्स की भी गलती सामने आई है क्योंकि मोटरव्हीकल एक्ट के मुताबिक किसी भी वाहन को उसका रजिस्ट्रेशन होने के बाद नंबर प्लेट लगाकर ही शोरूम से डिलीवर किया जा सकता है। इसे देखते हुए ई-रिक्शा डीलर्स की भी जानकारी निकाली जा रही है। विभाग बिना रजिस्ट्रेशन गाड़ी डिलीवर करने वाले वाहन डीलर्स के खिलाफ भी कार्रवाई करेगा।

सड़क हादसे में युवती की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र में एक युवती की सडक़ हादसे में मौत हो गई। युवती रैपिडो बाइक से घर जा रही थी। रास्ते में तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। रैपिडो चालक युवती को अस्पताल में छोड़ कर भाग गया।

पुलिस के मुताबिक, घटना नान सा ढाबा के समीप की है। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे हुआ है। ब्रिटिश पार्क कालोनी निवासी अर्पिता ओमप्रकाश सलून में जाब करती थी। रात होने पर घर जाने के लिए 23 वर्षीय अर्पिता ने रैपिडो बाइक बुक की थी। बाइक से घर जाते समय ढाबा के समीप तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।

हादसे में गंभीर घायल अर्पिता को रैपिडो चालक अस्पताल ले गया और छोडक़र भाग गया। देर रात उसकी मौत हो गई। सहेली आयशा के काल करने पर स्वजन अस्पताल पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल ले जाया गया है।

तीन महीने पूर्व भी रैपिडो सवार छात्रा की मौत हुई

इंदौर में रैपिडो बाइक से दूसरा हादसा हुआ है। तीन माह पूर्व भी कनाडिया थाना क्षेत्र में एक छात्रा की मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक छात्रा की बस छूट गई थी। घर जाने के लिए उसने रैपिडो बाइक बुलाई थी। तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी और छात्रा की मौत हो गई।

गैरेज पर बच्चों से कराया जा रहा था काम

4 हजार रु. प्रति माह देकर किया जाता था शोषण; दो बच्चों को किया मुक्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बालश्रम के खिलाफ पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को भी टीम ने छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में स्थित गैरजों में अभियान चलाया। यहां दो बच्चे काम करते पाए गए जिन्हें मुक्त किया गया है। इसके साथ ही गैरेज संचालकों पर कार्रवाई की जा रही है।

महिला बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधौलिया के नेतृत्व में श्रम विभाग, थाना छोटी ग्वालटोली पुलिस, प्रशासन, विशेष किशोर पुलिस इकाई, संस्था 'आस' व कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन द्वारा दोपहर को छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में अभियान शुरू किया। इस दौरान टीम को ईदगाह के पास अजंता ऑटो गैरेज व रफीक ऑटो गैरेज पर 14-15 वर्ष की उम्र के दो बच्चे काम करते दिखे। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे चंदन नगर के रहने वाले हैं तथा कुछ माह से यहां काम कर रहे हैं। इसके बदले में उन्हें 4 से 5 हजार रु. प्रति माह वेतन दिया जाता था और वे 10 घंटे यहां काम करते हैं। इस पर इन बच्चों को मुक्त कर इन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। अभियान के दौरान आसपास के गैरजों में भी कुछ बच्चों के काम करने की सूचना मिली लेकिन भनक लगते ही गैरेज संचालकों ने उन्हें रवाना कर दिया। टीम द्वारा यह अभियान जारी रखा जाएगा जबकि संबंधित दोनों गैरेज संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

स्कूली छात्रों से मारपीट करने वाले नाबालिग सहित 3 पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सेंटपाल स्कूल में छात्रों के बीच हुई मारपीट के मामले में पलासिया थाना पुलिस ने 11वीं क्लास के नाबालिग छात्र सहित तीन युवकों गिरफ्तार किया है। आरोपी छात्र के साथ उसका भाई कार्तिक पाटीदार और विनायक शर्मा भी मारपीट में शामिल हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में केस दर्ज कर सभी को एसीपी कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई।

सेंटपॉल हायर सेकेंडरी स्कूल में 9वीं क्लास के छात्र के साथ 11वीं क्लास के छात्र ने मारपीट कर दी थी। मारपीट में आरोपी छात्र के कुछ बाहरी साथी भी शामिल थे। घटना में 9वीं कक्षा में पढऩे वाले छात्र की एक आंख पर गहरी चोट लगी है। मामले में परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मारपीट करने वालों के खिलाफ पलासिया थाने में एफआईआर दर्ज कराने पहुंची डोसी का कहना है कि स्कूल परिसर में सुबह कुछ छात्रों के बीच विवाद हुआ था। छुट्टी होने पर आरोपी छात्र इसी रंजिश के चलते स्कूल पहुंचे थे। गलतफहमी में उन्होंने मेरे भतीजे के साथ सरिए से मारपीट कर दी।

चाकू की नोक पर छात्रा से दुष्कर्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर में चाकू की नोक पर एक छात्रा से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। घटना पीथमपुर स्थित सेक्टर एक थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। छात्रा कोचिंग जाने के लिए घर से निकली थी। इस दौरान आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया कि 18 वर्षीय युवती किशनगंज की निवासी है। घटना के दिन वह पीथमपुर में कोचिंग पढऩे के लिए गई थी। इसी दौरान पड़ोसी गांव का युवक आरोपी ऋतिक पिता सुदामा विश्वकर्मा ने उसे जबरदस्ती रूम पर चलने के लिए कहा।

पीडिता के मना करने पर आरोपी ने धमकी दी की यदि वह नहीं चलेगी तो वह उसके भाई व पापा को जान से मार देगा। धमकी के बाद छात्रा घबराकर युवक के साथ पीथमपुर थाना सेक्टर 1 क्षेत्र के मैकेनिक नगर के स्थित अपने रूम पर ले गया और छात्रा को चाकू दिखा कर जबरन दुष्कर्म किया। और युवक घटनास्थल से फरार हो गया।

छात्रा जैसे-तैसे अपने घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी और थाने पहुंच आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।। उप निरीक्षक ज्योति पटेल ने बताया की युवती के आवेदन पर ऋतिक विश्वकर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

मोबाइल लूटकर भाग रहा था, पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर।** भंवरकुआ इलाके में मोबाइल लूटकर भागने वाला बदमाश बाइक सहित क्रेन में जा घुसा। हादसे में वह घायल हो गया। लोगों ने बदमाश को पकडक़र पुलिस के सुपुर्द किया है। पुलिस के मुताबिक मानवेन्द्र सिंह सिसौदिया निवासी देवेन्द्र नगर चाणक्यपुरी मीरा गार्डन के पास मोबाइल पर बात कर रहा था। इस दौरान अमन निवासी सर्वहारा नगर ने उसके मोबाइल पर झपट्टा मारा। बाइक सहित अमन आईटी पार्क चौराहे की तरफ भागा। मानवेन्द्र ने उसका पीछा किया तो वह राजीव गांधी चौराहे पर बाइक सहित एक क्रेन में जा घुसा। इसमें वह घायल हो गया। उसे बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। आरोपी से ओर मोबाइलों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

आरोपियों से चोरी की 8 बाइक बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खजराना पुलिस ने दो ऐसे कुख्यात बदमाशों को पकड़ा है, जो चोरी की बाइक बेचने ग्राहक की तलाश कर रहे थे। वे नशे की लत के लिए वाहन चुराकर बेचते थे। उनके पास से 8 बाइक बरामद की है। पकड़े गए बदमाशों में से एक लूट के मामले में छह माह से फरार चल रहा था। फरियादी ने शिकायत दर्ज कराई की मैंने अपनी मोटरसाइकिल दुकान के बाहर कनाडिया रोड पर खड़ी की थी। कुछ समय बाद बाइक वहां पर नहीं थी। बाइक को काफी देर तक तलाशता रहा, जब बाइक नहीं मिली तो पुलिस की शरण ली। मामले में पुलिस ने अज्ञात बदमाशों को खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। इस दौरान सूचना मिली की दरगाह मैदान शौचालय के पास में दो लडक़े काले रंग की बाइक सस्ते दाम में बेचने के लिए खड़े हैं। सूचना पर वहां से आरोपी हाशिम अली निवासी दरगाह मैदान खजराना तथा आसिफ खान उर्फ पड़ी निवासी गांधीग्राम खजराना को पकड़ा। आरोपियों ने फरियादी की बाइक चुराना कबूल किया है। खजराना क्षेत्र में छह माह पहले हुई लूट के मामले में आसिफ खान की तलाश थी। आरोपी हाशिम अली पर चोरी, नकबजनी आदि के खजराना, कनाडिया, पलासिया में 14 अपराध पंजीबद्ध हैं। वहीं आरोपी आसिफ उर्फ पडी पर 9 अपराध दर्ज हैं।

लकड़ी की टाल में लगी आग

इंदौर। किशनगंज थाना क्षेत्र में आने वाले महू गांव में गुरुवार देर रात एक लकड़ी की टाल में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि इससे पूरे क्षेत्र में दशहत फैल गई। खबर लगते ही किशनगंज पुलिस सहित महू गांव नगर परिषद और महू छावनी की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। आग लगने से पहले टाल लकड़ी से भरा था। आग तेजी से फैलने पर चारों तरह से लपटें ही लपटें उठ रही थीं। दोनों तरफ से पानी की बौछार की गई, इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका घटना गुरुवार रात 2 बजे करीब की है।

वेल्डर ने लगाई फांसी

इंदौर। एक वेल्डर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के पास पेड़ पर उसका शव टंगा मिला। तेजाजी नगर पुलिस ने बताया कि ग्राम मांचला निवासी 45 साल के बबलू पिता गोकुल प्रसाद बारोलिया का शव घर के समीप एक पुलिया के पास पेड़ पर लटका हुआ मिला। बबलू ने फांसी क्यों लगाई यह परिजन नहीं बता पा रहे हैं। बबलू के पांच बेटे और बेटियां है। वह वेल्डिंग का काम करता था। इसी तरह नंदन नगर में रहने वाले किशोर नामक युवक और जूनी इंदौर क्षेत्र के माणिकबाग में रहने वाले 16 साल के एक नाबलिग ने जहर खा लिया दोनों को इलाज के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है।

फ्लैट में मिला वृद्धा का शव मिला

इंदौर। गांधी नगर इलाके में शुक्रवार सुबह एक वृ। महिला का शव फ्लैट में मिला। बताया जाता है वह फ्लैट में अकेले रहती थी। दो दिन से उन्होंने दरवाजा भी नही खोला था। पुलिस के मुताबिक इलाके के लाभ अपार्टमेंट में रहने वाली आशा देवी का शव उनके फ्लैट में पड़ा मिला। बताया जाता है कि शुक्रवार को एक लडक़ी यहां पहुंची। उसने बदबू आने पर आसपास के लोगो को जानकारी दी। पुलिस को कमरे से मेडीकल के पेपर मिले है। संभवत बीमारी के चलते महिला की मौत हुई है। आशादेवी ने शादी नही की थी। वह अकेले रहती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चातुर्मास परिवर्तन 27 नवंबर सोमवार को

इंदौर। परम पूज्य आचार्य भगवंत वीररत्न सूरी महाराज सा. के पट्टधर वर्तमान आचार्य पद्मभूषण म.सा.आदिठाणा साध्वी भगवंत विजयप्रभा श्रीजी आदिठाणा और साध्वी भगवंत भक्तिरेखाश्रीजी म.सा.आदिठाणा 22 का चातुर्मास परिवर्तन दिनांक 27 नवम्बर 2023 सोमवार को होगा। कार्यक्रम के सम्पूर्ण लाभार्थी राजेश जैन युवा एवं संजय श्रीश्रीमाल ने बताया की 5 माह का स्वर्णिम चातुर्मास तिलक नगर उपाश्रय में पूर्ण कर आचार्य भगवंत प्रातः 8 बजे चातुर्मास परवर्तन हेतु प्रस्थान करेंगे। जिसमे हजारो की संख्या में भक्तगण शामिल होंगे। जुलुस तिलक नगर के विभिन्न स्थलों से होते हुए वंदना नगर एक्सटेंशन स्थित चिंतामन गणेश पार्क में पहुंचेगा। वहाँ पर भाव यात्रा सहित धर्मसभा का वृहद रूप से आयोजन होगा जिसमें सम्पूर्ण इंदौर शहर के जैन धर्मावलम्बी सम्मिलित होंगे। वयम जैन, प्रमोद पोरवाल, दिलीप शाह, मुकेश पोरवाल, महेश कोठारी, सुशिल तांतेड़ सहित तिलकेश्वर पाश्वनाथ मंदिर से जुड़े व्यक्तियों ने भव्य तैयारियां कर कार्यक्रम को सफल बनाने का बेड़ा उठाया है। कार्यक्रम के पश्चात सकल श्रीसंघ की नवकारसी का आयोजन चन्द्रप्रभु जैन मांगलिक भवन तिलक नगर में होगा।

नवंबर के आखिरी सप्ताह में सीजन का पहला मावठा

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में कल से बारिश के आसार; तेज हवा-ओले गिरने का अनुमान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। नवंबर के आखिरी सप्ताह में मध्यप्रदेश में सीजन का पहला मावठा गिरेगा। 25 से 27 नवंबर के बीच प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बारिश का दौर रहेगा। इस दौरान तेज हवा चलेगी। ओले भी गिर सकते हैं। 26 नवंबर को इंदौर, उज्जैन समेत कुल 18 जिलों में बारिश होने का अनुमान है। इनमें से 6 जिले- झाबुआ, इंदौर, धार, अलीराजपुर, बड़वानी और धार के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सिस्टम गुजरने के बाद 28-29 नवंबर से सर्दी का असर बढ़ने लगेगा। शनिवार को इंदौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन और बुरहानपुर में बादल छाने के साथ बिजली भी चमकेगी। कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिन और बारिश का दौर रहेगा। 25 नवंबर को आठ, 26 नवंबर को 18 और 27 नवंबर को आठ जिलों में बारिश हो सकती है।

इसलिए बदला रहेगा मौसम

मौसम केंद्र के फोरकास्ट इंचार्ज डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि ईरान, अफगानिस्तान के आसपास वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो गया है। अगले कुछ घंटों में चक्रवाती घेरा भी बन रहा है। अन्य सिस्टम भी एक्टिव है। इससे मध्यप्रदेश में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा का दौर चलेगा।

तीन दिन ऐसा रहेगा मौसम

25 नवंबर : इंदौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन और बुरहानपुर में बादल छाए रहेंगे। वहीं, कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

26 नवंबर : इंदौर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, उज्जैन, सीहोर, हरदा और नर्मदापुरम में बिजली चमकने के साथ बारिश भी हो सकती है।

27 नवंबर : भोपाल, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, खरगोन, बुरहानपुर और खंडवा में हल्की बारिश होगी।

भोपाल में पहले दिन बादल, फिर बारिश

राजधानी भोपाल की बात करें तो 25 नवंबर को बादल रहेंगे, लेकिन इसके बाद बारिश होगी। 26 नवंबर को पूरे शहर में हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 27 नवंबर को कोलार इलाके में बूंदाबांदी होने का अनुमान है। मौसम बदलने से दिन-रात के तापमान में गिरावट भी होगी।

28-29 नवंबर के बाद तेज सर्दी

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. सिंह ने बताया कि सिस्टम गुजरने के बाद प्रदेश में ठंड का असर बढ़ेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 28-29 नवंबर के बाद दिन-रात के तापमान में गिरावट आएगी। उत्तरी हवा आने से ठंड बढ़ेगी। दिसंबर के पहले सप्ताह में सर्दी और भी तेज हो जाएगी।

बाबा महाकाल आज भगवान विष्णु को सौंपेंगे सृष्टि का भार

रात 12.30 बजे गोपाल मंदिर में होगा हरिहर मिलन, रात 11 बजे निकलेगी बाबा महाकाल की सवारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। राजा बली को दिए गए वचन का पालन करने के बाद भगवान श्री विष्णु श्री हरि 4 माह के शयन पश्चात देव प्रबोदिनी एकादशी पर पाताल लोक से बाहर आते है। वैकुंठ चतुर्दशी पर बाबा महाकाल भगवान श्री हरि को पुनः सृष्टि का भार सौंपते है। शनिवार रात को अद्भूत हरिहर मिलन होगा। गोपाल मंदिर में इस मिलन को देखने के लिए हजारों श्रद्धालुजन मौजूद रहेंगे। समूचे गोपाल मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ सजाया गया है। कलेक्टर ने हिंगोट और आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाया है।

बाबा महाकाल भगवान श्री हरि से भेंट करने के लिए रात 11 बजे मंदिर प्रागंण से रवाना होंगे। सभा मंडप में बाबा महाकाल का पूजन किया जाएंगा। मंदिर के बाहर बाबा महाकाल को गार्ड ऑफ आनर दिया जाएंगा। इसके बाद मन महेश के स्वरूप में पालकी में सवार होकर बाबा महाकाल गुदरी,पटनी बाजार होते हुए गोपाल मंदिर पहुंचेंगे और श्री हरि को तुलसी की की माला भेंट कर पुनः सृष्टि का भार सौंपेंगे। हरिहन मिलन पूजन अर्चन के बाद बाबा महाकाल की सवारी पुनः मंदिर पहुंचेगी। सवारी में मंदिर के पंडे,पुजारियों,भजन मंडली, बैंड आदि शामिल रहेंगे। उल्लेखनीय है कि देव शयनी ग्यारस पर भगवान विष्णु सृष्टि का भार भगवान शिव को सौंप कर राजा बली को दिए गए वचन का पालन करने के लिए 4 माह के शयन के लिए पाताल लोक चले जाते है। देवप्रबोधिनी एकादशी पर वह चिर निद्रा से जाग कर पाताल लोक से बाहर आते है। हरिहर मिलन के दौरान गोपाल मंदिर में बाबा महाकाल श्री हरि को तुलसी की माला देकर सृष्टि का भार सौंपेंगे।

शिवपुरी में सबसे ज्यादा 7.20 लाख वोटर कार्ड बांटे

डाक विभाग ने प्रदेश में बनाया रिकॉर्ड; वोटिंग प्रतिशत बढ़ने का दावा किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शिवपुरी। शिवपुरी का डाक विभाग पूरे मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा एपिक कार्ड (वोटर कार्ड) वितरित करने वाला करने वाला मुख्य डाक विभाग बन गया है। बता दें जिले में 7 लाख 20 हजार वोटर कार्ड बांटे गए हैं। इसका असर मतदान के बड़े प्रतिशत को देख कर लगाया सकता है। डाक विभाग की इस सफलता के बाद कलेक्टर ने डाक विभाग को सम्मानित किया है। शिवपुरी के डाक विभाग द्वारा इस टारगेट को पूरा करने में एक वर्ष का समय लगा, लेकिन आखरी के 3 महीनों में डाक विभाग के कर्मचारियों द्वारा कड़ी मेहनत की गई। इस कार्य में शहर और ग्रामीण क्षेत्र के करीब 300 पोस्ट मैन और ग्राम डाक मित्रों ने मिलकर मेहनत की, तब कही जाकर जिले में 7 लाख 20 हजार वोटर कार्ड बांटने के लक्ष्य को प्राप्त किया गया है। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने भी डाक कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा- बदलते हुए युग में डाक सेवाएं फिर से प्रासंगिक हो गई हैं। आज भारतीय डाक विभाग विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहा है। डाक विभाग के द्वारा समय से इतनी बड़ी संख्या में एपिक कार्ड वितरण करने से जिले में निर्वाचन का कार्य सफलता से संपन्न हो सका और जिले का मतदान प्रतिशत भी बढ़ा है।

बेटा नहीं हुआ, महिला ने दी जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शिवपुरी। 3 बेटियों की मां ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बड़ी बेटी को मां का शव पेड़ पर लटका मिला। घटना देहात थाना क्षेत्र के रायश्री गांव की है। महिला गुरुवार शाम से घर से लापता हो गई थी। आज सुबह अपनी मां को तलाशने निकली बड़ी बेटी को गांव के बाहर पेड़ पर शव लटका मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जांच शुरू कर दी है। रायश्री गांव की देवकी पत्नी वीरेंद्र कुशवाह (38) की तीन बेटियां हैं। प्रिंसी (12), नीतू (14) और पिंकी (15) है। जानकारी के मुताबिक, देवकी को बेटा नहीं था। इस वजह से वह मानसिक रूप से परेशान थी। गुरुवार शाम देवकी अपनी 3 बेटियों को घर में छोड़कर कही चली गईं। शाम होने तक वह घर नहीं लौटी। तब घर की बेटियां मां को तलाशने लगी। इस दौरान बड़ी बेटी पिंकी (15) मां को ढूंढते हुए गांव के बाहर एक पेड़ के पास पहुंची। बड़ी बेटी को पेड़ पर मां का शव लटका मिला।

चिता को नसीब नहीं हो रही लकड़ी!

छिंदवाड़ा मोक्ष धाम में लकड़ी की सप्लाई न होने से लोगों को हो रही परेशानी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा। शहर के मोक्ष धाम में लकड़ी का टोटा होने से यहां पर अंतिम संस्कार करने आ रहे परिवारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आपको बता दे कि पिछले 1 महीने से यहां पर यह समस्या बनी हुई है। नगर निगम के मार्फत यहां पर लड़कियां उपलब्ध कराई जाती है जिसको लेकर बाकायदा टेंडर निकाले जाते हैं लेकिन जिस सप्लायर को इसका टेंडर दिया गया है।

उसके लाखों रुपए का भुगतान अटका हुआ है ऐसे में यहां पर उसने लकड़ी की सप्लाई बंद कर दी है। सप्लाई ना होने के कारण लोगों को यहां पर अपने साथ लकड़ी और कंडे की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

इस मामले में निगम कमिश्नर राहुल सिंह का कहना है कि ठेकेदार का जल्द से जल्द भुगतान किया जाएगा और लकड़ी एवं कण्डो की व्यवस्था मोक्ष धाम में बनाई जाएगी।

5000 तक लिया जाता है शुल्क

आपको बताते चले कि छिंदवाड़ा मोक्षधाम में 5 हजार रुपए तक का शुल्क लिया जाता है सिर्फ बीपीएल परिवारों को यहां पर छूट मिलती है ऐसे में पिछले 1 महीने से लकड़ी न होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है चिताओं को आग तक नसीब नहीं हो रही है, ऐसे में सवाल उठा है कि आखिरकार जिम्मेदार व्यवस्था क्यों नहीं बन पा रहे हैं।

पार्षद ने उठाई आवाज

मोक्षधाम में लकडी एवं कंडे नहीं होने से परेशान जनता की वार्ड 42 के पार्षद संदीप सिंह चौहान ने आवाज बुलंद की है। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड में एक देहावसान होने पर अंत्येष्टि के लिए स्वयं लकड़ी खरीदकर ले जाना पड़ा। मोक्षधाम में व्यवस्था सुधार के लिए कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली को ज्ञापन सौंपा।

ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा,दर्दनाक मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाइवे पर माखननगर में ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में 42 साल के व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे हुआ। मृतक रमाकांत आरसे सुखतवा का रहने वाला है। हादसे में बाइक चला रहा युवक विक्की मालवीय निवासी सुखतवा बाल-बाल बच गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक मृतक रमाकांत आरसे और विक्की मालवीय दोनों माखननगर से सुखतवा बाइक से लौट रहे थे। बाइक विक्की चला रहा था और रमाकांत पीछे था। शाम करीब 6.30 बजे माखननगर में सामुदायिक अस्पताल के सामने एक ट्रक नर्मदापुरम की ओर जा रहा था। ओवरटेक करने के दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ गया। जिससे बाइक पर बैठे रमाकांत उछलकर सड़क की ओर ट्रक के नीचे जा गिरा। ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आने से उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटनास्थल पर खून का ढेर लग गया। लोगों की भीड़ जुट गई। ट्रक को रोका गया। सूचना मिलते ही माखननगर टीआई राजपाल सिंह जादौन पुलिस स्टॉफ के साथ मौके पर पहुंचे। शव पर कपड़ा डाला गया। पंचनामे के बाद शव को उठाया गया।

मैहर में मिला पुराना कंकाल, शिनाख्त में जुटी पुलिस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतना। धार्मिक नगरी मैहर की कुंजन तलैया के पास एक पुराना नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसपी मैहर खुद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, मैहर के अरकन्डी क्षेत्र में कुंजन तलैया के पास शुक्रवार की दोपहर एक नर कंकाल पड़ा पाया गया। उधर से गुजरे लोगों ने नर कंकाल पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल खुद एडिशनल एसपी मुकेश सिंह बैस और मैहर टीआई अनिमेष द्विवेदी के साथ मौके पर पहुंचे। जिस स्थान पर शव पड़ा था ,वहां आसपास के इलाके में दुर्गंध फैली हुई थी।

पुलिस की फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। कंकाल को उठवाकर जांच के लिए भेज दिया गया है। सड़-गल चुके शव के अस्थि पंजरों के अलावा वहां आसपास कोई और ऐसी चीज नहीं मिली है जिससे मृतक के बारे में कोई सुराग मिल सके। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नर कंकाल किसका है। इस बीच पूछताछ के दौरान पुलिस को यह भी पता चला है कि नरेश चौधरी (35) पिछले दो महीने से अरकंडी क्षेत्र से लापता है। वह डीजे का काम करता था। आशंका यह भी जताई जा रही है कि कंकाल उसका भी हो सकता है।

Uttarakhand

रेस्क्यू ऑपरेशन में आई अब तक की सबसे बड़ी मुश्किल, बुरी तरह फंसी ऑगर मशीन, अब होगी वर्टिकल ड्रिलिंग

उत्तरकाशी, (एजेंसी) उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों 41 श्रमिकों को रेस्क्यू करने के लिए 14 दिन से कोशिशें जारी हैं लेकिन बार-बार रेस्क्यू की राह में कई तरह के अवरोध आने से अभी तक श्रमिकों को बाहर निकलाने का रास्ता नहीं बन पाया है. ताजा अपडेट के मुताबिक,सिल्क 11 सुरंग में ऑगर मशीन के जरिए ऑपरेशन अब बेहद मुश्किल हो गया है.मशीन के आगे अब तक की सबसे बड़ी बाधा सामने आ गई है.

शुक्रवार शाम को ड्रिलिंग के दौरान सरियों का जाल मशीन के सामने आ गया जिसकी वजह से ऑगर मशीन के ब्लेड सरियों के जाल में फंस गए. ऑगर मशीन का अगला हिस्सा लोहे के पाइप के आखिरी मुहाने पर बुरी तरह फंस गया है. इस मशीन के

ऑपरेशन में अब तक किए सबसे बड़ी मुश्किल है. ऑगर मशीन के ब्लड को वहां से निकलना बेहद मुश्किल हो रहा है और फिलहाल एजेंसियों के पास कोई रास्ता नहीं है कि जाल को काटकर मशीन को पीछे लाया जाए.

मशीन में क्षमता है कि वह पाइप को दबा करके मलबे के पार ले जाए लेकिन सरिया का जाल मिलने की वजह से अब यह रास्ता भी बंद हो गया है. अब से थोड़ी देर बाद मीटिंग साइट पर सबसे बड़ी बैठक होगी, जिसमें वर्टिकल ड्रिलिंग शुरुआत करने का फैसला लिया जाएगा. ओएनजीसी, एसजीवीएनएल अब वर्टिकल ड्रिलिंग की तैयारी में है. एसजेवीएन और ओएनजीसी की टीमें सिल्कयारा सुरंग के ऊपर पहाड़ी पर पहुंच गई हैं. ड्रिलिंग मशीन आते ही वर्टिकल ड्रिलिंग का काम शुरू हो जाएगा.

Uttarpradesh

पैगंबर का अपमान बता बस कंडक्टर की गर्दन पर चापड़ से वार, यूपी में कन्हैयालाल जैसी घटना की कोशिश

प्रयागराज, (एजेंसी) यूपी के प्रयागराज औद्योगिक क्षेत्र में एक इंजीनियर कॉलेज के सामने शुक्रवार को बीटेक छात्र लारैब हाशमी ने टिकट के विवाद में चापड़ से ई-बस के कंडक्टर हरिकेश विश्वकर्मा पर जानलेवा हमला कर दिया। चापड़ से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किया। बस में मौजूद रोडवेज के दूसरे कर्मचारी ने विरोध किया तो उस पर भी हमला कर दिया। इसके बाद उसने धार्मिक टिप्पणी करते हुए एक वीडियो बनाया जिसमें वह कह रहा है कि उसने पैगंबर साहब के अपमान पर हमला किया।

इस घटना ने लोगों को पिछले साल (28 जून 2022) को राजस्थान के उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल हत्याकांड की याद दिला दी। कन्हैयालाल को दो लोगों ने बेरहमी से कत्ल कर डाला था और फिर सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर हत्या की बात भी कबूल की थी। अचानक हुई इस घटना से बस में खलबली मच गई। दहशत में छात्र-छात्राएं चीखने लगे। बस से उतरकर कॉलेज की ओर भागे। वारदात के बाद घायल बस कंडक्टर को गंभीर हालत में एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

Noida

स्विफ्ट कार में अचानक भड़की आग, गाड़ी में बैठे दो लोगों की मौत

नोएडा, (एजेंसी) दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में बड़ा हादसा हो गया है. यहां पर कार में अचानक से आग लग गई. हादसे में कार में बैठे दो लोगों की मौत हो गई. घटना की जानकारी लगते ही मौके पर फायर ब्रिगेड टीम और पुलिस की टीम पहुंची. मृतकों की पहचान की जा रही है और कार में आग किस वजह से लगी है इसकी भी जानकारी लगाई जा रही है. घटना शनिवार सुबह नोएडा के सेक्टर 113 थाना स्थित अम्रपाली प्लेटटिनम समिति के पास हुई है. बताया गया कि नोएडा के थाना सेक्टर-113 नोएडा स्तिथ आम्रपाली प्लेटिनम सोसायटी सेक्टर-119 में तड़के स्विफ्ट कार में आग लगने की सूचना पर पुलिस को मिली थी. तत्काल ही फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी गई थी. मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने कार में लगी आग को बुझाया. इसके बाद पुलिस को कार में दो लोगों के शव मिले. कार में लगी आग में दोनों बुरी तरह से जल गए और उनकी मौत हो गई.

New Delhi

अब प्रदूषण वाला लॉकडाउन ही उपाय? नवंबर में नौवीं बार गंभीर श्रेणी में पहुंची हवा

नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रदूषण के कारण दिल्ली की हवा फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को 415 अंक रहा, वहीं, सात इलाकों में प्रदूषण अत्यंत गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। नवंबर महीने में यह नौवीं बार है जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 अंक से ऊपर पहुंच गया।

दिल्ली के लोग इस महीने भयावह प्रदूषण का सामना कर रहे हैं। नवंबर के 24 दिनों में एक दिन भी ऐसा नहीं रहा, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 अंक से नीचे आया हो, यानी हवा थोड़ी सांस लेने लायक हुई हो। तीन नवंबर को लोगों ने सबसे ज्यादा प्रदूषण का सामना किया। इस दिन एक्यूआई 468 अंक पर यानी अत्यंत गंभीर श्रेणी में रहा था। वहीं, पांच नवंबर को यह 454 अंक पर था।

राजधानी के सात इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक अत्यंत गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। शुक्रवार शाम चार बजे इन इलाकों में सूचकांक 450 के अंक से ऊपर रहा। इससे आसमान में प्रदूषण की मोटी परत छा गई है।

दिल्ली को अगले दो-तीन दिन प्रदूषण से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दिल्ली में इस समय हवा की रफ्तार बेहद कम हो गई है। खासतौर पर सुबह के समय हवा एकदम ठहर जा रही है। दिन में भी जब हवा चलती है तो उसकी रफ्तार चार किलोमीटर प्रतिघंटे के आसपास रहती है। इस वजह से प्रदूषक कणों का बिखराव बेहद धीमा हो रहा है।

खेल

हार्दिक का मुंबई इंडियंस में जाना तय! पर्स में कम राशि अड़चन, क्या गिल को मिलेगी गुजरात की कप्तानी?

मुंबई। 2022 में तो गुजरात की टीम चैंपियन बनी थी। अब खबरें आ रही हैं कि हार्दिक गुजरात छोड़ने को तैयार हैं और मुंबई उन्हें ट्रेड विंडो से अपनी टीम में शामिल करना चाहती है। गुजरात भी हार्दिक को रिलीज करने के लिए तैयार है। हालांकि, मुंबई के पास फिलहाल फंड की कमी है। 26 को ट्रांसफर विंडो बंद हो जाएगी। मुंबई को उससे पहले ही रकम चुकानी होगी। डील लगभग तय है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई को हार्दिक के वेतन के रूप में 15 करोड़ रुपये (लगभग 1.8 मिलियन डॉलर) और टाइटंस को ट्रांसफर फी का भुगतान करना होगा। ट्रांसफर फीस की रकम क्या है, इस बारे में अब तक जानकारी नहीं मिल सकी है। हार्दिक को ट्रांसफर फीस का 50 प्रतिशत तक मिलेगा। हार्दिक ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत भी मुंबई इंडियंस से 2015 में की थी।

यह देखना भी दिलचस्प

होगा कि लगभग 10 साल बाद क्या मुंबई को एक नया कप्तान मिलेगा? हार्दिक फिलहाल गुजरात के कप्तान हैं और मुंबई में उन्हें कप्तानी सौंपी जाती है या नहीं, यह देखना दिलचस्प होगा। रोहित 2013 से मुंबई के कप्तान हैं। उनकी जगह हार्दिक को लीड करने का मौका मिल सकता है। हार्दिक टीम इंडिया के टी20 कप्तान भी हैं और अब तक अच्छी कप्तानी की है। रोहित के टी20 में अनिश्चित भविष्य को देखते हुए मुंबई यह फैसला कर सकता है।

अगर यह सौदा होता है तो यह आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा प्लेयर ट्रेड होगा। हालांकि, दोनों फ्रेंचाइजी ने अभी तक इस पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। मुंबई के लिए सबसे बड़ी चुनौती ट्रेड के लिए पर्याप्त पर्स रखना है। पिछली नीलामी के बाद, मुंबई के पास सिर्फ 0.05 करोड़ रुपये (लगभग 6000 यूएस डॉलर) बचे थे। फ्रेंचाइजी को आगामी नीलामी के लिए अपने पर्स में अतिरिक्त पांच करोड़ रुपये (लगभग 600,000 यूएस डॉलर) मिलेंगे।

इसका मतलब यह है कि मुंबई को हार्दिक को शामिल करने के लिए एक या दो बड़े प्लेयर को रिलीज करने की जरूरत है। रिटेंशन की समय सीमा 26 नवंबर को शाम चार बजे समाप्त हो रही है। 26 को ही पता चल जाएगा कि कौन सी टीम किस खिलाड़ी को रिटेन कर रही है और किसे रिलीज कर रही है। रिलीज होने वाले खिलाड़ियों को ऑक्शन में उतरना होगा।

हार्दिक ने 2022 में गुजरात टाइटंस को अपने पहले ही आईपीएल सीजन में खिताब दिलाया था। हार्दिक राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। 2023 में टाइटंस ने लगातार दो सीजन में दूसरी बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाई, जहां वह चेन्नई सुपर किंग्स से हार गए। दोनों सीजन में हार्दिक की अगुआई में टाइटंस लीग स्टेज में अंक तालिका में टॉप पर रही थी। हार्दिक और कोच आशीष नेहरा की जोड़ी सुपरहिट रही थी।

सिनेमा

अमिताभ बच्चन ने बेटी श्वेता बच्चन के नाम किया बंगला 'प्रतीक्षा', जानें खुद कहां रहेंगे बिग बी

अमिताभ बच्चन से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. कहा जा रहा है कि महानायक ने अपनी पत्नी जया बच्चन की रजामंदी से बेटी श्वेता बच्चन को जुहू वाला बंगला 'प्रतीक्षा' गिफ्ट कर दिया है. 8 नवंबर 2023 को इस घर की डीड साइन की गई, जिसमें 50.65 लाख रुपये रजिस्ट्रेशन और स्टैंप ड्यूटी के दिए गए हैं. दरअसल, 'प्रतीक्षा' दो प्लॉट्स में बना हुआ है.

ऐसे में दो डीड्स साइन हुई हैं. पहली अमिताभ, जया और श्वेता के बीच जो प्लॉट नंबर 14 के लिए साइन की गई है. यहां 'प्रतीक्षा' बंगला विट्ठलनगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जेवीपीडी स्कीम, जुहू में बना है. यह 890.47 स्क्वावयर मीटर्स में बना है. इसकी के साथ 'प्रतीक्षा' प्लॉट नंबर 15 में भी बना है. यह 674 स्क्वायर मीटर का एरिया कवर करता है. प्लॉट नंबर 15 की डीड अमिताभ और श्वेता के बीच साइन हुई है. तो इस तरह टोटल 1564 स्क्वायर मीटर एरिया हुआ है. बंगले की मार्केट वैल्यू की अगर बात करें तो वो 50.63 करोड़ बताई जा रही है. हालांकि, यह प्राइसिंग कन्फर्म नहीं है.

संपादकीय

हिंसा की कुंठा

दिल्ली में किशोर द्वारा की गई युवक की निर्मम हत्या से ऐसा लगता है कि हिंसा की कुंठा में डूबे किशोर के भीतर से परिवार, समाज और शासन, सभी स्तर का डर निकल गया था। इसलिए इसे जघन्य अपराधों की आम घटनाओं से अलग करके देखे जाने की जरूरत है, जिसमें मनोविज्ञान का पहलू बेहद अहम है। इस घटना के बारे में विशेषज्ञों की भी यही राय है कि आचरण संबंधी, मादक पदार्थों की लत से उपजे विकार या मनोविकृति जैसी समस्याओं से घिरे होने की वजह से आरोपी ने ऐसा किया होगा। यों ऐसी स्थितियों की भी जड़ें होती हैं कि अगर कोई व्यक्ति इस तरह की मानसिक विकृतियों का शिकार होता है तो उसकी कोई वजह होगी। खबरों के मुताबिक, महज सोलह वर्ष के एक किशोर ने रास्ते से गुजर रहे सत्रह वर्ष के एक अन्य लडक़े को रोका, उससे पैसे मांगे और मना करने पर गला दबा कर उसे बेहोश कर दिया। मगर इसके बाद जो हुआ, वह न सिर्फ किसी को भी दहला देने वाला था, बल्कि ऐसे दृश्यों पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। उन्माद से भरा किशोर बेहोश हो चुके लडक़े पर न सिर्फ अंधाधुंध चाकू से वार करने लगा, उसके शरीर को सडक़ पर घसीटा, गला रेत दिया, बल्कि शव पर नाचने लगा। एक व्यक्ति ने लडक़े को बचाने की कोशिश की, तो किशोर ने चाकू दिखा और धमका कर उसे भगा दिया। यह पूरी वारदात चूंकि सीसीटीवी की पकड़ में आ गई, आसपास के कई लोगों ने इसे देखा भी, तो ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि खासकर कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। कानूनी तौर पर इसे हत्या की एक जघन्य घटना माना जाएगा और इसी मुताबिक आरोपी के खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया चलेगी। मगर इसकी प्रकृति इतनी भयावह है कि न केवल दूसरे लोगों ने, बल्कि खुद आरोपी की मां ने भी उसके खिलाफ वयस्क अपराधियों की तरह कानूनी प्रक्रिया चलाने की मांग की। यह समझना मुश्किल है कि इतनी कम उम्र में उस किशोर का दिमाग इस हद तक विकृत कैसे हो गया कि उसने राह चलते एक अनजान लडक़े की हत्या कर दी और अपने भीतर मौजूद हिंसा की कुंठा का प्रदर्शन किया। जैसी खबरें आई हैं, उनके अनुसार हत्या करने वाले किशोर ने नौवीं कक्षा में बीच में ही स्कूली पढ़ाई छोड़ दी थी और शराब का आदी हो गया था। उसके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। जाहिर है, वह बुरी संगति में अवांछित आदतों का शिकार हो गया और पारिवारिक अवस्था की वजह से उसे रोकने या सही राह देने की स्थितियां नहीं बनीं।

राजा और पुजारी

एक दिन गांव के लोगों ने मानिक से अपने उधार चुकाने के लिए कहा। मानिक तुरंत अपने पिता के पास पहुंचा और कहा, "पिताजी मेरी मदद कीजिए। आप तो इतने ज्ञानी हैं, कृपया कर मुझे कुछ रास्ता बताइए।" सिदी मान्तरा से अपने बेटा का यह दुख देखा नहीं जा रहा था। वह अपने पुत्र को दुखी देख बहुत व्याकुल हो रहे थे।

बहुत समय पहले जावा नाम का साम्राज्य हुआ करता था। वहां सिदी मान्तरा नामक एक ब्राह्मण रहता था। वह बहुत ज्ञानी था। राजा भी उसके ज्ञान से काफी प्रसन्न रहते थे। इसलिए उन्होंने ब्राह्मण को सारी सुख सुविधाएं दे रखी थी। कुछ समय बाद सिदी मान्तरा ने एक खूबसूरत कन्या के साथ शादी कर ली। विवाह के कुछ समय बाद उन्हें एक बेटा हुआ, जिसका नाम मानिक रखा गया।

सिदी मान्तरा का बेटा मानिक जैसे-जैसे बड़ा होता गया उसकी भी बुद्धि अपने पिता के जैसे बढ़ती चली गयी। मानिक के ज्ञान से राजा भी काफी प्रसन्न रहते थे। धीरे-धीरे कर मानिक को पूरे राज्य में अपने पिता जैसा सम्मान मिलने लगा। इतनी अच्छाइयां होने के साथ-साथ मानिक की एक बुरी आदत थी। वह दिन रात जुआ खेलता था। इस खेल में वह ऊंची बोली लगाने के बावजूद भी हार जाता था।

धीरे-धीरे करके उसने अपने माता-पिता की सारी संपत्ति जुए में बर्बाद कर दी। यही नहीं, इस खेल के चलते उसने कई गांव वालों से भी उधार लेना शुरू कर दिया। यह सब देख उसके माता-पिता काफी दुखी रहते थे। लाख कोशिशों के बावजूद भी वे अपने बेटे के इस गंदी आदत को नहीं छुड़ा पाए।

एक दिन गांव के लोगों ने मानिक से अपने उधार चुकाने के लिए कहा। मानिक तुरंत अपने पिता के पास पहुंचा और कहा, "पिताजी मेरी मदद कीजिए। आप तो इतने ज्ञानी हैं, कृपया कर मुझे कुछ रास्ता बताइए।" सिदी मान्तरा से अपने बेटा का यह दुख देखा नहीं जा रहा था। वह अपने पुत्र को दुखी देख बहुत व्याकुल हो रहे थे।

एक दिन ब्राह्मण सिदी मान्तरा ने तय किया कि वह आसपास के गावं में भी जाकर पूजा पाठ कराएंगे और अपने बेटे के उधार को चुकाने की कोशिश करेंगे। हालांकि, सिदी मान्तरा के मन में यह चिंता हमेशा रहती थी कि पूजा पाठ करके बेटे के उधार के सारे पैसे उतार पाना मुनासिब नहीं है। एक दिन यही सब सोचते-सोचते सिदी मान्तरा को नींद आ गई।

तभी उन्होंने सपना देखा कि पूर्व दिशा की ओर एक ज्वालामुखी पर्वत है, जिसमें एक बड़ा सा खजाना छिपा हुआ है। इसकी देखभाल नागा बेसुकी नाम का एक आदमी करता था। उस सपने में उसे यह पता चला कि उसे नागा बेसुकी से मदद मांगनी चाहिए। जब सिदी मान्तरा की नींद खुली तो वह काफी चकित हुआ। उसने तुरंत सारी बातें अपनी पत्नी को बताई।

सिदी मान्तरा की बात सुनकर उसकी पत्नी ने कहा कि एक बार हमें इस बारे में पता करना चाहिए। शायद हमें सच में मदद मिल जाए। उसने कहा, चलिए हम दोनों साथ चलते हैं। आखिरकार हमारे लाड-प्यार ने मानिक को बिगाड़ा है। सिदी मान्तरा अपनी पत्नी की बात से राजी हो गया। अगली सुबह दोनों उस पर्वत की ओर जाने के लिए निकल पड़े।

ज्वालामुखी पर्वत की ओर जाते समय सिदी मान्तरा और उसकी पत्नी दोनों को कई तरह के कष्ट झेलने पड़े, लेकिन उन्होंने सभी तकलीफों को सहन किया और अंत में उस पर्वत के पास पहुंचे। वहां पहुंचकर ब्राह्मण ने मंत्र पढ़ते हुए घंटी बजानी शुरू कर दी। तभी वहां नागा बेसुकी नामक व्यक्ति उपस्थित हुआ। सिदी मान्तरा और उसकी पत्नी ने झुककर नागा बेसुकी को प्रणाम किया और अपनी परेशानी बताई।

नागा बेसुकी शांत होकर उनकी बातें सुन रहा था। उसे पता था कि ब्राह्मण सिदी मान्तरा बहुत ज्ञानी और भगवान के बहुत बड़े भक्त हैं। वह अपने पुत्र के कारण काफी कष्ट में है। इसलिए नागा बेसुकी ने उनकी मदद के लिए अपने शरीर का एक हिस्सा झाड़ा जिससे ढेर सारा धन, जेवर और सिक्के की बरसात होने लगी।

इसके बाद नागा बेसुकी ने सिदी मान्तरा से कहा, हे ब्राह्मण! आप अपनी जरूरत के हिसाब से धन ले जाएं। इतना कहते ही नागा बेसुकी वहां से गायब हो गए। इसके बाद सिदी मान्तरा और उसकी पत्नी ने अपनी जरूरत के हिसाब से धन बटोरा और नागा बेसुकी को धन्यवाद कहकर वहां से चले गए।

इधर, अपने घर पर माता-पिता को न पाकर मानिक बहुत चिंतित हो रहा था। दरअसल, आधी रात को कभी भी उसके माता-पिता घर से बाहर नहीं जाते थे। उसे डर था कि उसके माता-पिता उसके कारण किसी मुसीबत में न फंस गए हो, क्योंकि उन्होंने उसे वचन दिया था कि जब तक वे उसके उधार चुकाने के लिए कोई व्यवस्था न कर ले वह घर नहीं लौटेंगे।

तभी अचानक दरवाजे पर खटखट की आवाज सुनाई दी। मानिक दौड़कर दरवाजा खोलने पहुंचा। उसने देखा कि उसके माता-पिता लौट आए थे। यह देख वह बहुत खुश हुआ। उसने तुरंत उनसे पूछा कि वे कहां गए थे, लेकिन उन्होंने मानिक के प्रश्न को टाल दिया और उससे दूसरी बात करने लगे।

अगली सुबह उन्होंने मानिक को ढेर सारा धन दिया और कर्ज चुकाने के लिए कहा। अपने माता-पिता के पास इतना सारा धन देखकर मानिक को काफी आश्चर्य हुआ। उसने उनसे पूछा कि इतना सारा धन कहां से आया, लेकिन उन्होंने उसे कुछ नहीं बताया। अंत में मानिक को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने अपने माता-पिता से माफी मांगी और उन्हें वचन दिया कि वह अब दोबारा ऐसी गलती नहीं करेगा। इसके साथ ही वह अपने पिता के साथ पूजा-पाठ में जुट गया।

कहानी से सीख

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हर किसी को अपनी गलतियों को सुधारने का मौका मिलना चाहिए, क्योंकि जो अपनी गलती सुधार लेता है वही एक अच्छा इंसान बनता है।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरक कहानी

शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है।

स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है।

स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें।

स्वामी जी के शिक्षा पर कुछ मुख्य विचार इस प्रकार हैं:

बच्चों की शिक्षा ऐसी होना चाहिए, जिससे उनका शारीरिक, मानसिक और आत्मिक विकास हो।

शिक्षा बच्चों की बुद्धि का विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने वाली होना चाहिए।

बालक-बालिकाओं को समान रूप से शिक्षा मिलनी चाहिए।

आचरण और संस्कारों के माध्यम से बालकों को धार्मिक शिक्षा भी दी जानी चाहिए।

देश की आर्थिक प्रगति के लिए तकनीकी ज्ञान भी शिक्षा में शामिल किया जाना चाहिए।

स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है

कहानी से सीख

तो इस प्रकार स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

Highlights

- **Publicity: Raghav Chadha on row over UP minister's ₹50 lakh cheque**
- **Manual drilling being considered in U'khand tunnel rescue op final phase**
- **How Sukla Debnath Saved 5000 Tribal Women From Human Trafficking**
- **Lotus will bloom in Rajasthan on December 3: BJP's Vasundhara Raje**
- **No anti-incumbency, Congress will form govt in Raj again: Gehlot**
- **No need to feel tackling deepfakes is impossible: MoS IT Chandrasekhar**

Tata Technologies IPO closes with bids worth ₹1.56 lakh crore

NEW DELHI, (Agency). Tata Group saw a huge success with its first initial public offering in the last 20 years - Tata Technologies IPO - with the three-day issue closing on Friday evening with overall subscriptions of nearly 70 times.

As of 5pm on Friday, November 24, Tata Technologies IPO saw total bids worth ₹1.56 lakh crore, while the issue size of the initial public offering remains ₹2,200 crore, without the anchor portion. Seeing tremendous success in its first IPO in 20 years, this paves the way for Tata Group to launch more issues in the near future.

The Tata Technologies IPO opened on November 22 and closed on November 24, with the portion reserved for Qualified Institutional Bidders (QIB) subscribing 203.41 times. Meanwhile, the portion reserved for Non Institutional Bidders was subscribed 62.11 times by the investors.

Retail investors, Tata Technologies' employees and Tata Motors' shareholders were also not far behind when it comes to the issue, subscribing 16.50 times, 3.7 times and 29.2 times, respectively. There was a 35 per cent reservation in the net issue for these subscribers.

The Tata Technologies IPO opened on November 22 with a price band ₹475-₹500, with no fresh issue component. The IPO was fully offered for sale (OFS) of 6.08 crore shares by the promoter Tata Motors, and investors Alpha TC Holdings and Tata Capital Growth Fund 1.

Calculating the valuation by the upper end of the price band, the IPO size is estimated at ₹2,890-3,042 crore. Meanwhile, the market cap of the company is calculated to be around ₹20,283 crore.

Tata Technologies IPO raised no money for the company, but instead raised funds for the compensation of shareholders selling their stock in the company. Despite this fact, the IPO remained one of the most popular issues this year due to its strong valuation and healthy financials.

RBI penalises ₹10.34 crore on Citibank, Bank of Baroda, Indian Overseas Bank for non-compliance

NEW DELHI, (Agency). The Reserve Bank on Friday imposed penalties totalling ₹10.34 crore on Citibank, Bank of Baroda, and Indian Overseas Bank for contravention of various regulatory norms.

The highest penalty of ₹5 crore has been imposed on Citibank NA for non-compliance of norms related to depositor education and awareness fund scheme, and

code of conduct on outsourcing of financial services, the RBI said in a statement. A fine of ₹4.34 core was imposed on the state-owned Bank of Baroda for violation of certain directions related to the creation of a central repository of large common exposures, and others, another release said. Chennai-based public sector lender Indian Overseas Bank was slapped with a ₹1 crore fine for contravention of directions concerning loans and advances. In all three cases, the Reserve Bank of India said, penalties are based on deficiencies in regulatory compliance and not intended to pronounce upon the validity of any transaction or agreement entered into by the banks with their customers.

Confidential Investigation & all type of Detective services

Successful Journey
Since 2002...

प्रतिस्पर्धा का समय है।
स्वार्थियों, घर के भेदियों से भर गया है समाज।
सावधान रहना है सब से।
निगाह रखनी है लोगो पर, घटनाओं पर, वातावरण पर
कहीं ऐसा तो नहीं...
कोई साँप आस्तीन में छुपा हो?
फूलो की सेज पर कुछ काँटे हों?
व्यक्तिगत/व्यापारिक जीवन में कोई छिद्र हो?
इस प्रकार की सभी व्यक्तिगत, व्यापारिक, राजनैतिक, कानूनी,
सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य... सबूत/प्रमाण हेतु
मदद के लिये तैयार... कभी भी.... कहीं भी...

कब..क्यों..कहाँ..कितना..कैसे...!

DETECTIVE GROUP®

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

+91-9111050101
+91-9111050101
+91-9111050101

"संपूर्ण विश्व हमारी सीमा में हैं"

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 0731-2433667 ■*पी.आर.बी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।